आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 208 | उज्जैन, गुरुवार 19 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम ग्रामीण पर्यटन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

होम-स्टे बन रहा है अतिथि देवो भवः के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अतिथि देवो भव के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं, वहां भारत के लोग चारधाम की मोक्ष यात्रा पर निकलते हैं, जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भी देश प्रगति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्य स्तरीय उत्सव को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बिहार के बाद अब यूपी और राजस्थान में होगी मानसून की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के आधे से ज्यादा हिस्सों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। मानसूनी हवाएं बिहार पहुंच चुकी हैं। अगले कुछ घंटों के भीतर पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी मानसून दस्तक देने वाला है। वहीं, उत्तर भारत की तरफ मानसून की बढ़त से तापमान में गिरावट देखने को मिली है। दिल्ली एनसीआर समेत आसपास की इलाकों में बीते दिन झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने लगी है।

कहां पहुंचा मानसून?

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 17 जून 2025 तक गुजरात, दक्षिणी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और पूर्वी बिहार में मानसून की एंट्री हो चुकी है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों तक पहुंचने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक मानसून के आगे बढ़ने के लिए उत्तर भारत में अनुकूल स्थिति बनी हुई है। मानसून जल्द ही राजस्थान और उत्तर प्रदेश में दस्तक दे सकता है।

ट्रंप ने पीएम मोदी को दिया अमेरिका आने का न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आग्राह पर बुधावार को फोन पर बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने पहलगाम हमले, भारत-पाकिस्तान संघर्ष और आतंकवाद को लेकर करीब आधे घंटे तक बातचीत की। पीएम मोदी ने यह भी साफ कर दिया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष रोकने में अमेरिकी की कोई भूमिका नहीं रही है।ट्रंप बोले- कनाडा आए हैं तो अमेरिकी भी आ जाइए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री को अमेरिका आने का न्योता दिया। लेकिन वक्त की कमी की वजह से पीएम इस न्योते को स्वीकार न कर सके।

विक्रम मिसरी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से कहा कि जी-7 में आए हैं तो लौटते वक्त अमेरिका आ जाइए। लेकिन पीएम ने कहा कि वह पहले से तय कार्यक्रमों की वजह से निमंत्रण को स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

फिर टली Axiom-4 मिशन की लॉन्चिंग, नई तारीख का एलान; अंतरिक्ष में कब जाएंगे शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा और इसरो के Axiom-4 मिशन को लॉन्च करने की तारीफ एक बार फिर से पोस्टपोन कर दी गई। है। यह मिशन 19 जून को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होने वाला था। मगर अब इसे 22 जून को लॉन्च किया जाएगा।

हाल ही में ISS के ज्वेज्दा सेवा मॉड्यूल के पिछले हिस्से में मरम्मत का काम चल रहा था। ऐसे में नासा स्पेस स्टेशन का अच्छी तरह से मूल्यांकन करने के बाद ही Axiom-4 मिशन लॉन्च करेंगा।

पहले भी पोस्टपोन हो चुका है मिशन- बता दें कि ISRO, NASA, Axiom Space और SpaceX के संयुक्त प्रयास से यह मिशन लॉन्च किया जाएगा। हालांकि इसे काफी पहले ही लॉन्च करना था, लेकिन Falcon9 रॉकेट में लिक्विड ऑक्सीजन लीकेज के बाद इस मिशन को 19 जून के लिए पोस्टपोन कर दिया गया था। वहीं, अब यह मिशन को 22 जून को लॉन्च होगा।

मिशन में कौन-कौन शामिल- Axiom स्पेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए Ax-4 के क्रू मेंबर्स की जानकारी दी थी। नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री और ह्यूमन स्पेसफ्लाइट के डायरेक्टर पैगी व्हिटसन इस मिशन के कमांडर होंगे।

भारत-इटली की दोस्ती गहरी, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद और क्या बोलीं मेलोनी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा के दौरे पर हैं। बीते दिन उन्होंने अल्बर्टा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान कई बड़े देशों की उच्च हस्तियां सम्मेलन में मौजूद रहीं। ऐसे में पीएम मोदी की मुलाकात ज्यादातर देशों के नुमाइंदों से हुई, जिनमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम भी शामिल है।

पीएम मोदी और मेलोनी का जब जी-7 समिट में आमना-सामना हुआ तो दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए कुछ देर की बातचीत की।

मेलोनी ने पीएम मोदी संग शेयर की तस्वीर- इस मुलाकात के बाद जॉर्जिया मेलोनी ने अपने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, इटली और भारत एक गहरी दोस्ती से जुड़े हैं।

पीएम मोदी ने दी भी प्रतिक्रिया- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेलोनी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं पीएम जॉर्जिया मेलोनी। भारत और इटली की दोस्ती और भी मजबूत होगी, जिससे हमारे लोगों को फायदा होगा। जी-7 सम्मेलन में पीएम मोदी और मेलोनी की मुलाकात कुछ ही देर के लिए हुई। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इसी तरह जी-20 शिखर सम्मेलन में भी दोनों की मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट की बाढ़ आ गई थी।

फिर एअर इंडिया का विमान लौटा वापस, दिल्ली से बाली जा रही थी फ्लाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से बाली जा रही एअर इंडिया फ्लाइट को ज्वालामुखी विस्फोट के कारण वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि इंडोनेशिया में बाली हवाई अड्डे के पास ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बुधवार यानी 18 जून 2025 को दिल्ली-बाली फ्लाइट को बीच रास्ते से ही वापस लाना पड़ा। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली में उतर गया और सभी यात्रियों को उतार लिया गया है। बयान में कहा, 18 जून को दिल्ली से बाली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या

भारत-कनाडा के संबंधों पर जमी बर्फ पिघली, PM मोदी और कार्नी ने किया उच्चायुक्तों की नियुक्ति का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के रिश्तों पर पिछले डेढ़ वर्ष से भी ज्यादा वक्त से जमीं बर्फ सोमवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई हुई मुलाकात में पिछल गई। अलबर्टा (कनाडा) में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में विशेष मेहमान के तौर पर आमंत्रित पीएम नरेन्द्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्के कार्नी के बीच तकरीबन 40 मिनट बैठक चली।

इसमें सबसे पहले इस बात पर सहमति बनी कि दोनों देशों की राजधानी में उच्चायुक्तों की जल्द से जल्द नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या बढ़ाने व अपने अपने उच्चायोगों के काम काज को सामान्य बनाया जाएगा।

साथ ही मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) पर थमी बातचीत भी शुरू करने की सहमति बनी। मोदी और कार्नी के बीच आपसी सहयोग के दूसरे अन्य सभी मुद्दों पर भी बात हुई है।

कार्नी के साथ पीएम मोदी की मुलाकात

कार्नी के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा कि, भारत के लिए कनाडा के साथ संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। हम दोनों मिल कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का का करेंगे। मानवता के लिए काम करेंगे। हम अनेक क्षेत्रों में प्रगति करेंगे। कार्नी ने कहा कि, हमें पीएम मोदी का स्वागत करते हुए गर्व है। हम प्रौद्योगिकी, एआइ, ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग में काम करेंगे।

बैठक के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि, बैठक में भारत व कनाडा के रिश्तों की अहमियत पर बात हुई है। दोनों देशों में काफी कुछ समान्य है। पीएम मोदी ने रिश्तों को सामान्य बनाने पर खास तौर पर जोर दिया। स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डिजिडल इंफ्रास्ट्रर्कचर, एआइ, बहुमूल्य धातुओं और सप्लाई चेन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई। दोनों नेताओं ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्थगित कारोबारी वार्ता को शीघ्र शुरू किया जाए।

भारत पर लगाए थे बेबुनियाद आरोप- कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रुडो ने भारत पर अपने देश के कुछ नागरिकों की हत्या कराने का आरोप लगाया था। यह आरोप खालिस्तानी आथंकवाद हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद लगाये गये थे। इससे दोनों देशों के रिश्ते लगातार खराब होते गये। पिछले साल दोनों ने एक दूसरे के उच्चायुक्तों व अन्य वरिष्ठ राजनियकों को देश से बाहर कर दिया था।

इजरायल के सुप्रीम लीडर ने अयातुल्ला अली खामेनेई को दी खुली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-ईरान संघर्ष में अमेरिकी की भूमिका हर पल बढ़ती जा रही है। इजरायल का आरोप है कि अमेरिका के इशारों पर इजरायल ऑपरेशन राइजिंग लायन को अंजाम दे रहा है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि ईरान बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दे। वहीं, ईरान के आसमान पर अमेरिका का कंट्रोल है।

ट्रंप के धमकियों के बीच ईरान के सुप्रीम लीडर ने साफ तौर पर कहा है कि वो किसी भी कीमत पर आत्मसमर्पण नहीं करने वाले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयातुल्ला अली खामेनेई को परिवार सहित किसी सुरक्षित बंकर में छिपा दिया गया है ताकि इजरायल उन पर हमला न कर सके।

खामेनेई ने ईरान के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान किसी भी कीमत पर आत्मसमर्पण नहीं करेगा। वहीं, उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान संघर्ष में दखल देता है तो उसे जबरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा था, हम ठीक से जानते हैं कि तथाकथित सर्वोच्च नेता कहां छिपा है। वह एक आसान लक्ष्य है, लेकिन वहाँ सुरक्षित है - हम उसे मार नहीं सकते (मार नहीं सकते!), कम से कम अभी तो नहीं। लेकिन हम नहीं चाहते कि मिसाइलें नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर दागी जाएं। हमारा धैर्य खत्म होता जा रहा है। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद! ट्रंप ने आगे लिखा था कि या तो ईरान, अमेरिका से बातचीत करे या अमेरिकी हमले का सामने करने के लिए तैयार हों।

ईरान के पास अमेरिका से लड़ने की ताकत नहीं- अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे लिखा था, ईरान के आसमान पर अब हमारा पूरा और संपूर्ण नियंत्रण है। ईरान के पास अच्छे स्काई ट्रैकर और अन्य रक्षात्मक उपकरण थे, और उनकी संख्या बहुत थी, लेकिन इसकी तुलना अमेरिका द्वारा निर्मित, कल्पना की गई और निर्मित सामान से नहीं की जा सकती। कोई भी इसे अच्छे पुराने अमेरिका से बेहतर नहीं कर सकता।

सद्दाम हुसैन जैसा होगा खामेनेई का हश्र- मंगलवार (17 जून) को इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने अयातुल्ला अली खामेनेई को सीधी धमकी देते हुए कहा था कि उनका अंजाम भी इराक के पूर्व तानाशाह सद्दाम हुसैन जैसा ही होगा।

काट्ज ने कहा, 'मैं ईरानी तानाशाह को चेतावनी देता हूं कि वह युद्ध अपराध करना और इजरायली नागरिकों पर मिसाइल हमले करना बंद करे. उसे उस तानाशाह का हश्र याद रखना चाहिए, जो इसी रास्ते पर चला था।' काट्ज का इशारा सद्दाम हुसैन की ओर था।

इजरायल के लिए अभेद्य है ईरान का फोर्डो परमाणु प्लांट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों में इजरायल ने ईरान में कई परमाणु सुविधाओं पर हमले किए हैं, लेकिन फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र, जो एक अत्यधिक संरक्षित स्थल है, अभी भी सुरक्षित है। यह संयंत्र एक पहाड़ के नीचे स्थित है और जमीन में करीब 300 फीट गहराई में बना है।

इसे हवाई हमलों से बचाने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह इजरायल के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इजरायल के पास फिलहाल फोर्डो की सुरक्षा को भेदने के लिए पर्याप्त हथियार नहीं हैं।

क्या सच अभेद है फोर्डो प्लांट- फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र ईरान की सबसे गुप्त और

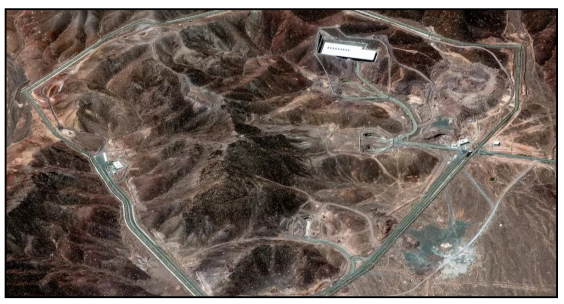

सुरक्षित परमाणु सुविधाओं में से एक है। यह कोम से 30 किलोमीटर और तेहरान से 160 किलोमीटर दूर स्थित है। इस संयंत्र का निर्माण ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर द्वारा नियंत्रित एक मिसाइल बेस के हिस्से के रूप में किया गया था।

फोर्डो प्लांट कब बना और कब दुनिया को पता चला- ऐसा माना जाता है कि साल 2006 के आसपास ईरान ने गुप्त अमाद प्लान के तहत फोर्डो का निर्माण शुरू किया था, जिसका उद्देश्य परमाणु हथियार विकसित करना था। वर्षों तक इसका अस्तित्व दुनिया से छिपा रहा। साल 2009 में पश्चिमी खुफिया एजेंसियों ने इस संयंत्र का पता लगाया, जिसके बाद ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सामने स्वीकार किया।

फोर्डो प्लांट को कौन कर सकता है तबाह?

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल अमेरिका के पास ही इसे नष्ट करने में सक्षम हथियार हैं। बंकर बस्टर जीबीयू-57ए/बी मैसिव आर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) संभवत एकमात्र ऐसा बम है, जो फोर्डो के कोर तक पहुंचने की शक्ति रखता है।

अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, यह बम लगभग 13,600 किलोग्राम का है और इसे कठोर बंकरों और सुरंगों पर हमला करने के लिए तैयार किया गया है। यह बम सतह से लगभग 200 फीट नीचे घुसने में सक्षम है और इसे एक के बाद एक गिराया जा सकता है, जिससे गहराई तक प्रभावी रूप से डिलिंग की जा सकती है।

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में भेजे लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष और तेज होने की आशंका है। कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन को बीच में छोड़कर अचानक वाशिंगटन लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का धैर्य खत्म होता जा रहा है। इस बीच, रॉयटर की रिपोर्ट के मुताबकि, इजराइल-ईरान युद्ध के बीच अमेरिका मध्य पूर्व में लड़ाकू विमान भेज रहा है।

युद्धक विमानों की तैनाती बढ़ा रही अमेरिकी सेना- तीन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में और अधिक लड़ाकू विमान तैनात कर रही है और अन्य युद्धक विमानों की तैनाती बढ़ा रही है, जिससे इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बीच इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बलों को मजबूती मिलेगी।

ये लड़ाकू विमान शामिल- एक अधिकारी ने कहा कि तैनाती में स्र-16, स्र-22 और स्र-35 लड़ाकू विमान शामिल हैं। दो अधिकारियों ने लड़ाकू विमानों की तैनाती की रक्षात्मक प्रकृति पर जोर दिया, जिनका उपयोग ड्रोन और प्रोजेक्टाइल को मार गिराने के लिए किया गया है।

ट्रंप ने कहा कि हर किसी को तत्काल तेहरान खाली कर देना चाहिए और ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण करना चाहिए।

ईरान ने कहा है कि वाट्सऐप्प ने इजरायल को भेजने के लिए यूजर्स की डेटा को इकट्ठा किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के साथ जंग के बीच ईरान ने अपने नागरिकों से वाट्सऐप अनइंस्टॉल करने को कहा है। ईरानी स्टेट टेलीविजन ने मंगलवार को लोगों से अपने स्मार्टफोन से वाट्सऐप हटाने के लिए कहा। दावा किया गया कि वाट्सऐप्प ने इजरायल को भेजने के लिए यूजर्स की डेटा को इकट्ठा किया है।

ईरान को लगता है कि वाट्सऐप ने इजरायल को खुफिया जानकारी भेजी है और इस जानकारी का इस्तेमाल इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद कर सकती है।

वाट्सऐप्प ने आरोप पर क्या कहा- एक बयान में, वाट्सऐप ने कहा कि वह चिंतित है कि ये झूठी रिपोर्टें हमारी सेवाओं को उस समय अवरुद्ध करने का बहाना होंगी जब लोगों को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। वाट्सऐप एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि बीच में कोई सर्विस प्रोवाइडर मैसेज को नहीं पढ़ सकता है। बयान में कहा गया, हम आपके सटीक लोकेशन को ट्रैक नहीं करते हैं। हम यह रिकॉर्ड नहीं रखते हैं कि हर कोई किसको मैसेज भेज रहा है और हम उन निजी मैसेजों को भी ट्रैक नहीं करते हैं जो लोग एक-दूसरे को भेज रहे हैं।

खामेनेई ने कहा कि अब जंग शुरू हो चुका है और ईरान कोई रहम नहीं करने जा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ईरान संघर्ष ने अब जंग का रूप ले लिया है। 6 दिनों तक एक-दूसरे पर हमले करने के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने आधिकारिक तौर पर जंग का एलान कर दिया है। खामेनेई ने कहा कि अब जंग शुरू हो चुका है और ईरान कोई रहम नहीं करने जा रहा है।

इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हर किसी को फौरन तेहरान खाली कर देना चाहिए और ईरान को बिना शर्त सरेंडर करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई अभी नहीं मारेंगे, हालांकि अमेरिका को पता है कि वह कहां छिपे हैं और वह आसान लक्ष्य हैं। जबकि इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज का कहना है कि खामेनेई का भी वही हश्र हो सकता है जो इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन का हुआ था।

वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से लगातार खराब होते हालात को लेकर फोन पर बात की है।

अब तक कम से कम कितने लोग मारे गए- इजरायल-ईरान जंग में अब 1300 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। समाचार एजेंसी एपी ने एक मानवाधिकार समूह के हवाले से बताया है कि ईरान पर इजरायली हमलों में 585 लोग मारे गए हैं और 1,326 अन्य घायल हुए हैं। वहीं इजरायल के 16 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

न कोई एजेंट; न कोई फौजी, फिर भी अदृश्य ताकत ने ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट को दे दी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम का हवाला देते हुए बीते शुक्रवार को हमले करने शुरू कर दिए। इस हमले में आम नागरिक और सैन्य अफसरों के अलावा 6 परमाणु वैज्ञानिकों को भी निशाना बनाकर मार गिराया गया।

ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम न्यूज के अनुसार, जिन वैज्ञानिकों को इजरायल ने निशाना बनाया था, उनमें मोहम्मद मेहदी तेहरानची और फरेदून अब्बासी अहम परमाणु वैज्ञानिक थे। इस हत्या के साथ ईरान के वो जख्म फिर से हरे हो गए

जो पांच बरस पहले इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने दिए थे।

दरअसल साल 2020 में मोसाद ने ईरान के परमाणु प्रोग्राम के जनक कहे जाने वाले एक वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह को बड़े ही नाटकीय तरीके से मार गिराया था। ये ऐसी हत्या थी, जिसमें न कोई हत्यारा नजर आया, न कोई सुराग छोड़ा और हत्या के वक्त मौके पर कोई इजरायली एजेंट भी मौजूद नहीं था।

कौन थे मोहसिन फखरीजादेह- मोहसिन फखरीजादेह भले ही ईरान के टॉप साइंटिस्ट थे लेकिन उन्हें कोई जानता नहीं था। उनकी न तो कोई तस्वीर, न इंटरव्यू पब्लिक डोमेन में थी और न ही वह कभी पब्लिक में दिखते थे। इजरायल के खुफिया महकमों में इस साइंटिस्ट के लिए कहा जाता था कि वह एक साए की तरह है।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा, ईरान कभी भी इजरायल के साथ सुलह नहीं करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल संघर्ष थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इजरायल के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायल के साथ जंग का एलान कर दिया है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा है, जंग शुरू हो चुका है।

खामेनेई ने एक्स पर किए पोस्ट में कहा है, ईरान कभी भी इजरायल के साथ सुलह नहीं करेगा।

सुप्रीम लीडर का ये बयान तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने उनके बारे में छिपे होने की बात कही है। दरअसल ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट कर कहा, हम अच्छी तरह जानते हैं कि तथाकथित सुप्रीम लीडर कहां छिपे हैं। वह एक आसान टारगेट हैं, लेकिन फिलहाल वह सुरक्षित हैं।

ट्रंप ने लिखा, लेकिन हम उन्हें अभी रास्ते से हटाने नहीं जा रहे हैं, कम से कम अभी तो नहीं। लेकिन हम यह भी नहीं चाहते कि आम नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर मिसाइलें दागी जाएं। इसलिए हमारे सब्र का इम्तिहान लिया जा रहा है, जो अब खत्म होता जा रहा है।

ट्रंप को खामेनेई का जवाब- ट्रंप के भड़काऊ बयान के बाद खामेनेई ने भी एक्स पर पोस्ट कर जवाब दिया है। खामेनेई ने लिखा, हमें आतंकवादी जायोनी शासन को कड़ा जवाब देना चाहिए।

साल 1941 और 2025 के बीच हादसे और मामले एक जैसे ही हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 के करीब छह महीने बीत चुके हैं। पिछले 6 महीनों में दुनियाभर में ऐसी घटनाएं घटी है, जिसे दशकों तक भुलाना आसान नहीं होगा। पिछले 6 महीनों में कई ऐसी घटनाएं घटी है, जिसने मानवता को झकझोर के रख दिया। दुनिया भर में युद्ध के हालात बने हुए हैं। वहीं, विमान हादसे की घटनाएं घट चुकी है। वहीं, इस साल के शुरुआत में ही अमेरिका के जंगलों में भीषण आग लग गई थी।

दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया जा रहा है कि वर्ष 2025 का कैलेंडर 1941 की तरह हूबहू है। उसी तरह की तारीखें और वैसे ही दिन। ऐसे तो दो अगल सालों के कैलेंडर में समानत कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन 1941 और 2025 के बीच हादसे और मामले एक जैसे ही हैं।

क्या वाकई 2025 और 1941 का कैलेंडर एक जैसा है- हां, यह सच है यह सच है कि साल 1941 और 2025 का कैलेंडर एक जैसी है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। हर कुछ दशकों में किसी साल कै कैलेंडर पुराने साल से मेल खा सकता है। यानी सप्ताह का दिन और ताखी एक ही पड़ सकते हैं।

क्यों है साल 1941 और 2025 का कैलेंडर एक जैसा- बता दें कि 1941 और 2025 दोनों गैर-लीव वर्ष हैं। दोनों साल बुधवार को 1 जनवरी पड़ी है। जानकारी के मुताबिक, कैलेंडर का ऐसा चक्र आमतौर पर हर 28 साल में दोहराया जाता है क्योंकि ग्रेगोरियन कैलेंडर में सप्ताह के दिन और तारीखें इस चक्र में दोहराती हैं। इसलिए दोनों साल का कैलेंडर हूबहू वैसा ही होगा। हर महीने की तारीख और दिन समान होंगे।

एक थ्योरी ये भी है की लीप ईयर के पैटर्न और 7 दिनों के हफ्ते के चक्र के कारण ऐसा होता है।

हादसे में नदी के तेज बहाव में एक इको कार बही

गुजरात के बोटाद जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। इस हादसे में नदी के तेज बहाव में एक इको कार बह गई। इस कार में 9 लोग सवार थे। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 लोग अभी भी लापता हैं। दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है और लापता लोगों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है।

यह हादसा मंगलवार तड़के हुआ, जब भारी बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। हादसे की खबर मिलते ही एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन रास्तों में पानी भरने और सड़कों के बंद होने की वजह से बचाव कार्य में मुश्किलें आईं। अब भी एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन मिलकर लापता लोगों की तलाश में जुटा है।

रेस्क्यू में आई मुश्किलें- एनडीआरएफ की छठी बटालियन के टीम कमांडर इंस्पेक्टर विनय कुमार भाटी ने एएनआई से बात करते हुए कहा, ÷हमारी टीम राजकोट में तैनात थी। सुबह हमें खबर मिली कि बोटाद में कुछ लोग फंसे हैं और उन्हें बचाने की जरूरत है। हम तुरंत बोटाद के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में पानी भरने की वजह से सभी सड़कें बंद थीं।

ADGP जयराम की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा सवाल, तमिलनाडु सरकार को क्यों लगाई फटकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ADGP जयराम की गिरफ्तारी को लेकर मद्रास हाईकोर्ट से सवाल पूछा है। हाईकोर्ट के कहने पर एक किडनैपिंग केस में ष्ठतक्क एच.एम जयराम को हिरासत में लिया गया था। इसी दौरान तमिलनाडु सरकार ने उन्हें सस्पेंड भी कर दिया। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने अब इसपर हाईकोर्ट से जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच जस्टिस उज्जल भुयान और मनमोहन को तमिलनाडु सरकार ने बताया कि ADGP एच.एम जयराम को हिरासत में ले लिया गया था और उन्हें मंगलवार की शाम को 5 बजे रिहा कर दिया गया।

ष्ठतक्क जयराम के वकील ने अदालत को बताया कि पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया था, लेकिन तमिलनाडु सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया। इस मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वो एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। आपको (तमिलनाडु सरकार) उन्हें सस्पेंड करने की क्या जरूरत थी? इस तरह के आदेश न सिर्फ चौंकाने वाले बल्कि मनोबल तोड़ने वाले हैं।

सरकार ने दिया जवाब- तमिलनाडु सरकार के वकील ने ष्ठतक्कजयराम का सस्पेंशन रद करने का आश्वासन दिलाते हुए गुरुवार तक इस संदर्भ में कोर्ट को सूचित करने की बात कही है।

शादी से पहले डिजिटल बैकग्राउंड चेकिंग पर महिला का पोस्ट वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टॉक्सिक रिलेशनशिप आजकल काफी आम हो गई हैं। शादी से पहले लोग अपने आप को अच्छा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ते, लेकिन शादी के बाद जब उनका असली रूप पार्टनर के सामने आता है, तो वही रिश्ता दर्द देने लगता है। मगर सवाल यह है कि आपका पार्टनर टॉक्सिक है या नहीं, शादी से पहले यह कैसे पता चलेगा?

सोशल मीडिया पर एक महिला ने इस सवाल का जवाब देते हुए अपनी आपबीती सुनाई है। महिला का कहना है कि डिजिटल बैकग्राउंड की मदद से टॉक्सिक रिश्ते से बचा जा सकता है। 22 वर्षीय यूजर ने Reddit पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसका टाइटल है- 2025 में अरेंज मैरिज। महिला ने बताया कि उसकी शादी एक ऐसे शख्स से तय हुई, जो एक आइडियल दूल्हा था। हालांकि, जब महिला ने उसका डिजिटल बैकग्राउंड देखा तो सच कुछ और ही निकलकर सामने आया।

महिला ने सुनाई आपबीती- Reddit यूजर ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरी शादी जिससे होने जा रही थी, उस शख्स के पास अच्छी नौकरी थी और वो देखने में भी शरीफ लग रहा था, लेकिन वास्तव में उसका बर्ताव इसके ठीक विपरीत था।

यूजर के अनुसार- वो शख्स चालाक, इमोशनली अस्थिर, गंदी तस्वीरें भेजने वाला, खुद को बेचारा दिखाने, दूसरों की मर्जी को नजरअंदाज करने और अपनी बात ऊपर करने में माहिर था।

कैसे चेक किया डिजिटल बैकग्राउंड- महिला को यह सबकुछ उस शख्स के डिजिटल बैकग्राउंड से पता चला। महिला ने अपनी एक दोस्त की आईडी से उस शख्स से बात की। महिला का दावा है कि इस दौरान उसने गंदी तस्वीरें भेजने के साथ-साथ पोर्न देखने से जुड़े चौंकाने वाले खुलासे किए।

भगवान वेंकटेश्वर के नाम से जाना जाएगा तिरुपति हवाई अड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने बुधवार को कहा कि आंध्र प्रदेश में रेनिगुंटा हवाई अड्डे का नाम बदलकर श्री वेंकटेश्वर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा% करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि सिफारिश नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेज दी गई है।

हवाई अड्डा तिरुमाला के दिव्य सौंदर्य को दर्शाएगा- नायडू ने कहा कि तिरुमाला के आध्यात्मिक और भक्तिपूर्ण माहौल को दर्शाने के लिए हवाई अड्डे को फिर से डिज़ाइन किया जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रेनिगुंटा हवाई अड्डे का नाम बदलकर भगवान श्री वेंकटेश्वर के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा गया है। हवाई अड्डा तिरुमाला के दिव्य सौंदर्य को दर्शाएगा।

श्रीवारी मंदिर बनाने की भी योजना- टीटीडी ने कर्नाटक सरकार से भूमि आवंटन लंबित रहने तक बेंगलुरु में एक प्रमुख स्थान पर श्रीवारी मंदिर बनाने की भी योजना बनाई है। सतत परिवहन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री कुमार स्वामी ने टीटीडी को 100 इलेक्ट्रिक बसें प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है।

तिरुपति मंदिर का प्रसाद- आधिकारिक बयान के अनुसार, इन्हें जल्द ही तिरुमाला की परिवहन प्रणाली में शामिल करने के प्रयास चल रहे हैं। मंदिर निकाय मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी, पानी और भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए सीएसआईआर प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए तिरुपति में जगह भी पट्टे पर देगा।

एक और सोनम बेवफा... पिता का मर्डर और 100 CCTV फुटेज, सोने का ड्रामा कर रहे बच्चे ने खोल दी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर में राजा रघुवंशी और सोनम की तरह ही एक और मामला सामने आया है। लेकिन इस केस में दंपती का 9 साल का लड़का ही मुख्य गवाह बन गया। बच्चे ने कहा है कि उसकी मां ने ही उसके पिता की हत्या करवा दी। बता दें इसके लिए महिला ने अपने प्रेमी और भाड़े के हत्यारों की मदद ली थी। ये घटना 7 जून की रात को राजस्थान के अलवर के खेरली इलाके में हुई थी। इस हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए पुलिस ने करीब 100 सीसीटीवी फुटेज को खंगाला है।

48 घंटे के भीतर सामने आ गया हत्यारिन अनीता का काला सच

इस हादसे में पीड़ित की पहचान वीरू ऊर्फ मान सिंह जाटव के रूप में हुई है। 7 जून को वह अपने घर में मृत पाए गए थे। लेकिन इस हत्या के आरोपी बहुत देर तक पुलिस से नहीं बच सके और सच्चाई सामने आ गई। दरअसल बच्चे ने अपने पिता की हत्या होते देखा था लेकिन वह डर के मारे शांत रहा और हत्या के वक्त सोने का नाटक करता रहा।

अनीता ने शुरूआत में परिवार को बताया कि वीरू बीमार था और उसकी मौत हो गई। लेकिन वीरू के टूटे दांत और दम घुटने के निशान देखकर लोगों को शक हुआ। इसके बाद वीरू के भाई ने शिकायत दर्ज कराई।

अनीता ने कैसे करवाई वीरू की हत्या- बच्चे की गवाही के मुताबिक, उसकी मां ने रात में घर का मेन गेट जानबूझकर खुला छोड़ दिया था। करीब आधी रात को चार लोग घर में घुस गए। इन लोगों ने वीरू की सोते वक्त दम घोंटकर मार दिया। बच्चे ने कहा कि चार लोगों में एक आदमी को वह जानता है। उस आदमी का नाम काशीराम प्रजापत है। बता दें पुलिस जांच में पता चला है कि काशीराम अनीता का प्रेमी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

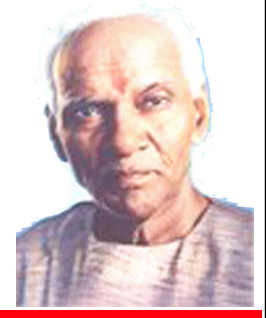

विक्रम संवत 2079 शुक्ल अष्टमी

संपादकीय

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस!! हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है!! अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं साथियों, अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है। साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है।

सुभाष मुखोपाध्याय

सुभाष मुखोपाध्याय भारतीय चिकित्सक व वैज्ञानिक थे। वह विश्व के दूसरे तथा भारत के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी के जनक थे। भारत में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म 3 अक्तूबर, 1978 को कोलकाता में हुआ था। यह डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय का दुर्भाग्य ही था कि इनकी इस सफलता को मान्यता नहीं दी गई। सुभाष मुखोपाध्याय अपनी सफलता को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं रख पाये। उनके काम पर संदेह व्यक्त किया गया और उन्हें टोक्यो जाने से रोक दिया गया। इन्हीं सब कारणों से आहत होकर डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय ने सन 1981 में आत्महत्या कर ली। बाद में उनके कार्य को मान्यता मिली।

परिचय

डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय का जन्म 16 जनवरी, 1931 को हुआ था। भारत के पहले टेस्ट ट्यूब बेबी के जनक डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय अपने नाना अनुपम बाबू के घर पैदा हुए थे। अनुपम बाबू उस समय के जाने माने अधिवक्ता थे। सुभाष मुखोपाध्याय की पढ़ाई लिखाई कोलकाता और उसके बाद एडिनबर्ग में हुई थी। इनकी विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक के जरिए भारत में पहली टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म 3 अक्तूबर, 1978 को कोलकाता में हुआ था। डॉक्टर्स टीम के अगुवा डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय थे। दुर्भाग्य से इनके काम पर राज्य सरकार ने शक किया। जहां नाकाबिल लोगों की टीम ने इनके काम की जांच कर संदेह जाहिर किया। सुभाष मुखोपाध्याय अपने काम को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर नहीं रख पाए। उनको अपने काम को चिकित्सा वैज्ञानिकों के समक्ष अंतर्राष्ट्रीय फलक पर रखने के लिए टोक्यो जाना था। संदेह जताते हुए उन्हें टोक्यो जाने से रोक दिया गया। इससे निराश होकर उन्होंने 19 जून, 1981 को कोलकाता में आत्महत्या कर ली। बाद में उनके काम को सही ठहराया गया और भारत के पहले टेस्ट ट्यूब बेबी के जनक के रूप में मान्यता दी गई।

प्रयोग की शुरुआत

डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय जब स्कॉटलैंड की एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की डिग्री लेकर कलकत्ता लौटे, तब तक टेस्ट ट्यूब बेबी पर विश्वभर में चर्चा तेज हो चुकी थी, लेकिन कोई सफल प्रयोग होना अभी बाकी थी। ये अस्सी के दशक के शुरुआती वक्त की बात है। कोलकाता में एक धनाढ्य मारवाड़ी परिवार रहता था। उसकी कोई औलाद नहीं थी। उस जमाने में जैसा कि होता था, बे-औलाद परिवार खासकर महिला को न केवल पारिवारिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता था, बल्कि सामाजिक अत्याचार भी बहुत होते थे। वह मारवाड़ी परिवार भी इसी मानसिक प्रताड़ना से गुजर रहा था। उन्हें कहीं से डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय के बारे में जानकारी मिली, तो वे उनसे मिलने साउथर्न एवेन्यू के उनके छोटे से घर में जा पहुंचे। दंपत्ति ने टेस्ट ट्यूब पद्धति से गोद भर देने की गुंजाइश की। डॉ. मुखोपाध्याय भी इसके लिए तैयार हो गए। इस तरह 1977 में छोटे से फ्लैट के बेहद छोटे से कमरे में उन्होंने कुछ यंत्र व रेफ्रिजरेटर की मदद से प्रयोग शुरू कर दिया।

पहली टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म

एक तरफ भारत में डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय टेस्ट ट्यूब बेबी पैदा करने की सोच रहे थे। वहीं दूसरी ओर ठीक उसी वक्त इंग्लैंड में भी ऐसा ही एक प्रयोग शुरू हो गया था। कहानी वही थी। वहां रहने वाले एक दंपत्ति को लंबे समय से कोई बच्चा नहीं हो रहा था, तो उन्होंने प्रख्यात महिला रोग चिकित्सक पैट्रिक स्टेप्टो और रॉबर्ट एडवर्ड्स से मुलाकात की। दोनों डॉक्टरों ने प्रयोग शुरू कर दिया।

इंग्लैंड के डॉक्टरों के पास जहां हर तरह के संसाधन थे और सरकार का पूरा सहयोग भी उनके साथ था। वहीं डॉ. मुखोपाध्याय को अपने दम पर बिना किसी सरकारी मदद के काम करना पड़ रहा था। 25 जुलाई, 1978 को चिकित्सक पैट्रिक स्टेप्टो और रॉबर्ट एडवर्ड्स ने टेस्ट ट्यूब के जरिए बच्चे को जन्म देने की घोषणा कर इतिहास रच दिया।

दोनों को विश्व में टेस्ट ट्यूब के जरिए सबसे पहले बच्चे को जन्म देने वाले डॉक्टरों का तमगा मिला। उस वक्त डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय के लैब में भी एक भ्रूण आकार ले रहा था। 25 जुलाई की घोषणा के महज 67 दिनों के भीतर 3 अक्टूबर, 1978 को डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय ने भी एक घोषणा की। उन्होंने दुनिया को बताया की टेस्ट ट्यूब के जरिए बच्चे को जन्म देने का उन्होंने भी सफल प्रयोग कर लिया है। टेस्ट ट्यूब के जरिए जन्मी बच्ची को नाम मिला 'दुर्गा'। इस नाम के पीछे की कहानी यह है कि 3 अक्टूबर, 1978 को दुर्गा पूजा का पहला दिन था, इसलिए उसका नामकरण 'दुर्गा' कर दिया गया। अगर 67 दिन पहले दुर्गा का जन्म हुआ होता, तो टेस्ट ट्यूब पद्धति से बच्चे को जन्म देने वाला भारत दुनिया का पहला देश होता।

इनाम की जगह अपमान

बेहद कम संसाधन व तकनीक के बावजूद डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय का प्रयोग शत-प्रतिशत सफल रहा। किसी और देश में अगर वह होते, तो शायद वहां की सरकार उनकी इस कामयाबी को सर आंखों पर रखती, लेकिन उन्हें मिला अपमान। डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय वैश्विक प्लैटफॉर्म पर जाकर दुनिया को अपने प्रयोग के बारे में बताना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसकी इजाजत उन्हें नहीं दी। इसके उलट उस वक्त की पश्चिम बंगाल की सरकार ने उनके दावों की जांच के लिए 18 नवंबर, 1978 को एक कमेटी बना दी।

कमेटी को चार बिंदुओं की जांच करनी थी। कमेटी ने उनसे अजीबोगरीब सवाल पूछे और अंततः उनके दावे को बोगस करार दे दिया। उनका मजाक उड़ाया गया। उन्हें जापान में अपने प्रयोग के बारे में बताने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सरकार ने उन्हें वहां भी जाने की इजाजत नहीं दी। सन 1981 में सजा के तौर पर उनका ट्रांसफर रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑफ्थॉल्मोलॉजी (कोलकाता) में कर दिया गया।

आत्महत्या

यह अपमान सुभाष मुखोपाध्याय के लिए असह्य था। इस पूरे प्रकरण के बाद उन्होंने खुद को अपने छोटे से घर में कैद कर लिया। अपमान का वह घूंट उनके लिए जहर साबित हुआ। वह तिल-तिल कर मरते रहे और फिर एक दिन उन्होंने अपमान की असह्य पीड़ा से निजात पाने का फैसला कर लिया। अपने घर की सीलिंग से झूलकर उन्होंने 19 जून, 1981 को आत्महत्या कर ली। उन्होंने सोचा भी नहीं था की अपनी खोज का उन्हें यह इनाम मिलेगा। इसके साथ ही एक होनहार डॉक्टर इस दुनिया को छोड़कर चला गया।

मौत के बाद मिली पहचान

डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय रोशनी नहीं एक चमकदार सूरज थे, जिनकी रोशनी पूरी दुनिया में बिखरनी थी। वर्ष 1986 में भारत के ही एक डॉक्टर टी. सी. आनंद कुमार ने भी टेस्ट ट्यूब पद्धति से एक बच्चे को जन्म दिया। उन्हें भारत में टेस्ट ट्यूब बेबी को जन्म देने वाले पहले डॉक्टर का खिताब मिला। वर्ष 1997 में उनके हाथ वे महत्वपूर्ण दस्तावेज लग गए, जो इस बात की गवाही देते थे कि उनसे पहले डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय ने टेस्ट ट्यूब बेबी को जन्म दिया था। सभी दस्तावेजों के गहन अध्ययन के बाद डॉ. आनंद कुमार इस नतीजे पर पहुंचे कि भारत को टेस्ट ट्यूब बेबी की सौगात देने वाले पहले वैज्ञानिक डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय ही थे।

डॉ. आनंद कुमार की पहल के चलते आखिरकार डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय को भारत के पहले टेस्ट ट्यूब बेबी के जन्मदाता का खिताब मिला। इसी विषय पर 1990 में प्रख्यात फिल्म निर्देशक तपन सिन्हा ने 'एक डॉक्टर की मौत' नाम से फिल्म बनाई। फिल्म में मुख्य भूमिका पंकज कपूर ने निभाई थी। इसके बाद पूरी दुनिया में डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय का नाम विश्व भर में प्रसिद्ध हो गया।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने राफेल बनाने वाली कंपनी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की कंपनी ने राफेल बनाने वाली कंपनी से हाथ मिलाया है। उनकी कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने फ्रांस की दिग्गज फाइटर जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट के साथ ग्लोबल मार्केट के लिए भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट बनाने के लिए साझेदारी की है। बुधवार को दोनों कंपनियों ने इसकी जानकारी दी।

पेरिस में हो रहे पेरिस एयर शो के दौरान हुई घोषणा के अनुसार फाल्कन बिजनेस जेट का प्रोडक्शन पहली बार फ्रांस से बाहर किया जा रहा है। यह भारत की एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग की क्षमताओं को दर्शाता है। इस क्षेत्र में भारत की कंपनी की यह लंबी छलांग है। डसॉल्ट के साथ हुई इस साझेदारी के तहत रिलायंस इन्फ्रा महाराष्ट्र के नागपुर में फाल्कन 2000 जेट विमानों के लिए अंतिम असेंबली लाइन स्थापित करेगा।

बिजनेस जेट बनाने वाले देशों की लिस्ट में शामिल होगा भारत- नागपुर में बिजनेस जेट बनाने की सुविधा शुरू होने के बाद भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद बिजनेस जेट बनाने वाले चुनिंदा देशों में शामिल होगा। यानी यह पहली बार होगा जब भारत में बिजनेस जेट की मैन्युफैक्चरिंग होगी।

दोनों कंपनियों ने एक साझा बयान में कहा, डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी रिलायंस एरोस्ट्रक्चर लिमिटेड ने आज पेरिस एयर शो में वैश्विक बाजारों के लिए भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट बनाने के लिए एक ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

भारत में बनकर दुनिया के अलग-अलग देशों में जाएंगे बिजनेस जेट- डसॉल्ट फाल्कन 2000 ट्विन-इंजन बिजनेस जेट है। इस बिजनेस जेट में 8 से 10 लोग बैठ सकते हैं। अब इसी प्राइवेट जेट को भारत की कंपनी भारत में ही बनाएगी। और फिर इन्हें इंटरनेशनल लेवल पर बेचा जाएगा।

एविएशन क्षेत्र में डसॉल्ट एक बड़ी कंपनी है। इसने 90 से अधिक देशों के लिए 10,000 से अधिक सैन्य और नागरिक विमान (2,700 फाल्कन सहित), राफेल लड़ाकू विमान से लेकर बिजनेस जेट, सैन्य ड्रोन से लेकर सभी प्रकार के विमानों की डिजाइन और प्रोडक्शन का काम किया है।

वेदांता डिविडेंड का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइनिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने 20 लाख शेयर होल्डर्स को डिविडेंड का तोहफा दे दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 18 जून को बैठक में प्रति शेयर 7 रुपए डिविडेंड देने का ऐलान किया। कंपनी अंतरिम डिविडेंड के रूप में कुल 2,737 करोड़ रुपए बांटेगी। बता दें, वेदांता में 20 लाख से अधिक रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी है। उन्हें इसका सीधा फायदा मिलेगा।

वेदांता ने अंतरिम डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 24 जून रखी है। यानी अगर आप डिविडेंड लेना चाहें तो 23 जून तक इस शेयर को खरीद सकते हैं। यह वेदांता लिमिटेड की ओर से चालू वित्त वर्ष में दिया गया पहला अंतरिम डिविडेंड है। उद्योगपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली इस माइनिंग कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में अपने शेयरधारकों को कुल 17,000 करोड़ रुपए से अधिक का डिविडेंड बांटा था। पिछले चार वित्त वर्ष में कंपनी ने अपने शेयरधारकों को लाभांश के रूप में 200 प्रति शेयर से अधिक का भुगतान कर चुकी है।

वेदांता ने कब-कब दिया डिविडेंड- माइनिंग सेक्टर वाली कंपनी वेदांता ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने शेयर होल्डर्स को 35 रुपए का कुल अंतरिम डिविडेंड जारी किया था।

पर्सनल लोन फायदे और नुकसान, लेने से पहले जान लें!

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारी जिंदगी में छोटे खर्चे जैसे शादी, घर की मरम्मत और उच्च शिक्षा जैसे खर्चों के लिए पर्सनल लोन को सही माना जाता है। इसके साथ ही बैंक भी पर्सनल लोन को आसानी से उपलब्ध करा देता है। इसलिए लोग इसे लेना पसंद करते हैं।

अगर आप भी पर्सनल लोन लेने का प्लान बना रहे हैं, तो ये आर्टिकल आपको निर्णय लेने में मदद कर सकता है।

पर्सनल लोन के होते हैं ये नुकसान- सबसे पहले पर्सनल लोन में ब्याज दर काफी अधिक होती है। अगर ब्याज दर ज्यादा होगी, तो इससे उधारकर्ता को ईएमआई भी ज्यादा भरनी होगी। ऐसी स्थिति में ईएमआई चुकाने में परेशानी आ सकती है। हालांकि ये एक अनसिक्योर्ड लोन है, जिसका मतलब हुआ कि इसे लेने के लिए कुछ भी गिरवी नहीं रखना पड़ता।

यहीं कारण है कि लोग क्षमता से अधिक लोन ले लेते हैं और बोझ के तले दब जाते हैं। पर्सनल लोन के तहत उधारकर्ता ईएमआई तो चुकाता ही है। इसके साथ ही उसे कई तरह की फीस और चार्जिस जैसे Processing fees, Prepayment Penalties इत्यादि देने पड़ सकते हैं। लेकिन ये सब बैंक या वित्तीय संस्था पर भी निर्भर करता है।

कब है लोन लेना सही- ये व्यक्ति की स्थिति पर निर्भर करता है। आपको बजट और सैलरी का आकलन करने के बाद ही पर्सनल लोन के बारे में सोचना चाहिए। पर्सनल लोन के अलावा आप अन्य विकल्प जैसे सेविंग का कुछ भाग इस्तेमाल करना, रिश्तेदार या दोस्त से उधार ले सकते हैं।

ब्याज अधिक होने से आपको पर्सनल लोन लेने से पहले सोचना जरूर चाहिए। इसके साथ ही पर्सनल लोन के नुकसान होने के साथ-साथ इसके फायदे भी है। इस लोन का सबसे बड़ा फायदा यही है कि आपको इसमें गारंटी के लिए कुछ नहीं देना होता, इससे लोग इसे लेना पसंद करते हैं।

डिफेंस शेयरों में पिछले एक महीने से लगातार खरीदारी हो रही है

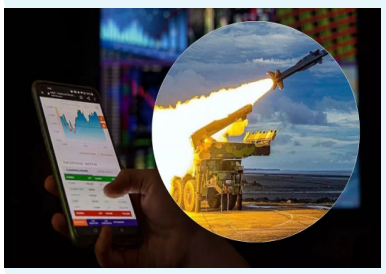

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस कंपनियों के शेयरों में कुछ महीनों से लगातार अच्छी तेजी देखने को मिल रही है, खासकर भारत और पाकिस्तान के बीच 3 दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद डिफेंस सेक्टर के कई शेयर्स तेजी से भागे, इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत डायनामिक्स लिमिटेड के शेयर शामिल हैं।

ऐसे में कई नए निवेशक इन डिफेंस शेयरों में इन्वेस्टमेंट करने का मन बना रहे हैं। लेकिन, किस भाव पर खरीदें और क्या टारगेट रखें, इसे लेकर कंफ्यूज हैं। जागरण बिजनेस के साथ खास बातचीत में InvestyEdu के रिसर्च एनालिस्ट (फंडामेंटल) दिनेश सनाय ने डिफेंस शेयरों में निवेश को लेकर लोगों को अहम सुझाव दिए हैं।

डिफेंस शेयरों में जारी रहेगी तेजी- ऑपरेशन सिंदूर के बाद से डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी देखी जा रही है, और कुछ स्टॉक्स तो हाई बनाते जा रहे हैं, ऐसे में वैल्युएशन को लेकर चिंता सताने लगी है। इस पर दिनेश सनाय ने कहा, डिफेंस सेक्टर को लेकर मेरा व्यू अब भी पॉजिटिव है जियो-पॉलिटिकल टेंशन के चलते अब भी इस सेक्टर में बहुत जम्प का स्कोप है।

अदाणी पोर्ट्स के शेयर लगातार 6वें दिन गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच जंग जारी है और इसका असर शेयर बाजार समेत कुछ खास स्टॉक्स पर देखने को मिल रहा है। हालांकि, मीडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण 12 और 13 जून को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन उसके बाद मंदी ज्यादा गहराई नहीं, लेकिन अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पोर्ट्स शेयर इस जंग के चलते लगातार गिर रहा है और आज 6वें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ।

वहीं, ईरान और इजरायल के बीच जंग भी 6 दिनों से जारी है। इस दौरान दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जबरदस्त मिसाइल अटैक किए हैं,जिनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। लेकिन, सवाल है कि आखिर अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में इस युद्ध के चलते लगातार गिरावट क्यों हो रही है?

मीडिल ईस्ट की जंग से अदाणी पोर्ट पर क्या असर- दरअसल, अदाणी पोर्ट्स का बिजनेस समंदर के किनारे स्थित बंदरगाहों पर कामकाज से जुड़ा है। अदाणी पोर्ट्स के पास इज़रायल के हाइफ़ा पोर्ट में बड़ी हिस्सेदारी है। कंपनी ने 2023 में कुल 1.18 बिलियन डॉलर में इस पोर्ट को खरीदा था। यह पोर्ट इज़रायल के प्रमुख बंदरगाहों में से एक है।

ईरान ने इस वीकेंड के दौरान हाइफ़ा बंदरगाह और उसके पास स्थित एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया था। हालांकि, अदाणी समूह ने साफ किया कि अदाणी पोर्ट पर इस संघर्ष का कोई असर नहीं पड़ा है। लेकिन, इन दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव से अदाणी पोर्ट्स के निवेशकों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अगर ईरान हमले जारी रखता है तो इस बंदरगाह पर काम बाधित हो सकता है।अदाणी पोर्ट्स, अदाणी समूह की सबसे बड़ी कंपनी है। इसके शेयरों ने लंबी अवधि में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है, खासकर पिछले 5 सालों में यह रिटर्न करीब 300त्न तक रहा है।

मेघना इंफाकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने किया बोनस शेयर देने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट और इनवेस्टमेंट सेक्टर की कंपनी मेघना इंफ्राकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने का एलान किया है। इसका मतलब जिन भी शेयरधारकों के पास Meghna Infracon के शेयर होंगे उन्हें कंपनी बोनस शेयर देगी। इस समय कंपनी के एक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये है। यानी एक इक्विटी शेयर के बदले कंपनी 10 की वैल्यू का एक नया बोनस इक्विटी शेयर जारी करेगी।

कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड डेट भी फिक्स कर दी है। अगर आपको बोनस शेयर का प्राप्त करना है तो आपके पास रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों का होना जरूरी है।

जिन शेयरधारकों के पास Meghna Infracon के शेयर पहले से ही हैं उन्हें रिकॉर्ड डेट तक अपने डीमैट अकाउंट में शेयरों को रखना है, तभी आपको इसका फायदा मिल पाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्लास्टिक कचरे के बदले देगा खाना, ग्रोसरी और कैश

भोपाल। शहरी स्वच्छता के लिए जैविक-अजैविक कचरे का मिस्रित ढेर बड़ी चुनौती बना हुआ है। यह नगर निगम के संसाधनों पर बोझ जैसा है। घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करके देने की प्रवृत्ति विकसित नहीं हो पाई है। ऐसे में भोपाल नगर निगम स्वच्छता समाधान केंद्र के तौर पर एक अनोखा कचरा कैफे शुरू करने जा रहा है।

भोपाल के अलग-अलग तीन हिस्सों दस नंबर मार्केट की फुलवारी, बिट्टन मार्केट और बोट क्लब पर इसे बनाया जा रहा है। यहां प्लास्टिक, कागज, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक कचरे के बदले भोजन या खानपान और दैनिक उपयोग का सामान मिलेगा। अगर कोई इसके बदले नकदी लेना चाहे तो यह कैफे बाजार दर से पांच रुपया अधिक कीमत देकर उसे खरीदेगा। उदाहरण के तौर पर अगर एक किलो प्लास्टिक कचरा बाजार में 15 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है तो कचरा कैफे उसे 20 रुपया प्रति किलोग्राम की दर से खरीदेगा।कचरा कैफे से होगा स्वच्छता समाधान

कचरा कैफे नाम के इस स्वच्छता समाधान केंद्र का संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाएं करेंगी। इस कैफे में आने वाले निराश्रित जरूरतमंद अगर थोड़ा-बहुत कचरा भी लाते हैं, तो उन्हें वहां से छोले-चावल जैसे व्यंजन खाने को मिल जाएंगे। इसके अलावा वे कचरे के बदले कैफे में उपलब्ध खानपान और दैनिक उपयोग की वस्तुएं खरीद सकेंगे। इस पहल से ÷कमाओ और खाओ÷ की भावना को भी बल मिलेगा।

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि भोपाल में हर महीने करीब 500 टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। इसमें 200 टन तो प्रतिबंधित पन्नियां हैं। इलेक्ट्रानिक कचरा और लोहा, सीसा, कागज का कचरा भी बड़ी मात्रा में कचरे के ढेर के साथ पहुंचता है। कचरा संग्रहण और सेग्रिगेशन केंद्रों पर इसे अलग करना बड़ा खर्चीला हो जाता है। कचरा कैफे के जरिये यह कचरा अलग-अलग इकट्ठा होगा और वेंडरों के जरिए आसानी से रिसाइकिल या विनष्टीकरण संयंत्रों तक पहुंचा दिया जाएगा।कैफे में इस तरह की वस्तुएं मिलेंगी

इस अनोखे कैफे में पका हुआ भोजन और नाश्ता उपलब्ध होगा। इसके अलावा वहां दाल, चावल, आटा, मोटा अनाज, नमक, तेल, अचार, पापड़, बड़ी, नमकीन, बोतलबंद पानी, टेराकोटा, कपड़े, सजावटी सामान और पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं भी उपलब्ध होंगी। इनका उत्पादन भी स्व-सहायता समूह ही करेंगे।

मोबाइल एप से भी जुड़ पाएंगे लोग

इस पहल से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए कचरा कैफे एक मोबाइल एप भी लांच कर रहा है। इससे जुड़े लोग घर बैठे कचरा बेच सकेंगे। कैफे का आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) मोबाइल वैन घर पर जाकर कचरा खरीदेगी। इसके बदले विक्रेता को कूपन दिया जाएगा। यह कूपन कैफे लाकर नकद लिया जा सकेगा, या उतनी कीमत की खरीददारी में प्रयोग हो सकेगा। यह केंद्र केवल कचरा प्रबंधन तक सीमित नहीं रहेगा। यह पर्यावरण के प्रति जन जागरुकता, महिला सशक्तीकरण और रोजगार सृजन का भी माडल बनेगा- अंजीता सभलोक, स्वच्छता एंबेसडर, नगर निगम

कचरा कैफे की शुरूआत

नगर निगम इस महत्वपूर्ण परियोजना पर काम कर रहा है। कचरा कैफे की शुरूआत इसी महीने 10 नंबर मार्केट के फुलवारी और बोट क्लब पर शुरू करने जा रहे हैं। बिट्टन मार्केट में उसके बाद शुरू होगा। हमे उम्मीद है कि इसके जरिए शहर के लोग कचरे के प्रति अधिक जागरूक होंगे।

- मालती राय, महापौर नगर निगम भोपाल

बिना फिटनेस-परमिट के चल रही थीं 6 स्कूल बसें, RTO ने की जब्त, उड़नदस्ते ने चलाया चेकिंग अभियान

भोपाल। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूल फिर से खुल गए हैं। स्कूल बसों व वेनों का संचालन भी शुरू हो गया है। स्कूल वाहन मोटर व्हीकल एक्ट और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं या नहीं। इसकी बुधवार को आरटीओ उड़नदस्ता ने जांच की।स्कूल बसों का चेकिंग अभियान

भेल टाउनशिप, रायसेन, नर्मदापुरम रोड सहित विभिन्न मार्गों पर आरटीओ जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में स्कूल बसों का चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान छह स्कूल बसें बिना फिटनेस व परमिट के दौड़ती हुई मिली। छह बसों को जब्त का कोकता आरटीओ परिसर में खड़ा किया गया। वहीं तीन स्कूल वेन ओवरलोड, बिना बीमा के मिलीं।

इनके मालिकों से 16000 रुपये का श्मन शुल्क लिया गया। इन स्कूल वाहनों में जवाहर, सेंट मोंटफोर्ड के विद्यार्थी बैठे हुए थे। इनमें सात से 12 छात्र-छात्राओं को बैठाने की जगह थी, लेकिन 15 से 20 तक विद्यार्थी बैठाए गए थे। आरटीओ शर्मा ने बताया कि स्कूल वाहनों का निरंतर चेकिंग अभियान चलेगा। इस दौरान जो भी स्कूल वाहन मोटर व्हीकल एक्ट और सुप्रीम कोर्ट की तय गाइडलाइन का पालन करते हुए नहीं मिलेगा, उन्हें जब्त करने की करवाई की जाएगी।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर सहित 55 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। समय से पहले आया मानसून 15 दिनों तक मुंबई के आसपास ठिठका रहा। अब जब वह आगे बढ़ा है, तो उसने अपनी रफ्तार से पूर्वानुमानों को धता बता दिया है। सोमवार को प्रदेश की सीमा में पहुंचा मानसून बुधवार को ग्वालियर तक पहुंच गया। सामान्य तौर पर वहां तक पहुंचने में एक सप्ताह का समय लगता है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि मानसून ने भोपाल सहित 35 अन्य जिलों में भी प्रवेश कर लिया। मंगलवार को मानसून 19 जिले कवर कर चुका था। अभी भिंड जिले को छोड़कर मानसून पूरे प्रदेश में छा चुका है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में कई स्थानों पर अच्छी बारिश की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर, ग्वालियर, खजुराहो, सोनभद्र, गया से होकर गुजर रहा है। मानसून लगभग पूरे प्रदेश में छा चुका है।इस मौसमी तंत्र से बढ़ी सक्रियता मौसम विज्ञानियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र में एक गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात भी संबद्ध है, जो दक्षिण दिशा की और झुका हुआ है। इसके गुरुवार तक झारखंड पहुंचने के आसार हैं। मध्य राजस्थान पर भी एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात संबद्ध है, जो दक्षिण दिशा की तरफ झुका हुआ है। इस चक्रवात से लेकर उत्तरी गुजरात तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो पंजाब से होकर जा रही है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के मध्य में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इनके असर से मानसून ने रफ्तार पकड़ी है।यह होगा इसका असर अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के असर से गुरुवार से प्रदेश के अधिकतर जिलों में अच्छी बारिश का दौर शुरू होने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि 25-26 जून के आसपास बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इस वजह से रुक-रुककर बारिश का सिलसिला बनी रहने के भी आसार हैं।

जाली नोट छापने वाले का पर्दाफाश, किराए के कमरे में बना रखा था छापाखाना

जबलपुर। मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान के पास लगभग तीन लाख के रुपये पांच सौ रुपये के जाली नोट को अधारताल में छापा गया था। जहां, यशवंत नगर में किराए के मकान पर जाली नोट का छापाखाना चल रहा था। इसका पता मंगलवार को हनुमानताल पुलिस की जांच में चला।

बता दें कि पुलिस ने सोमवार को घमापुर शुक्ला होटल के पास रहने वाले रवि दाहिया को पांच सौ रुपये के जाली नोट के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपित ने पूछताछ में पहले नरसिंहपुर से जाली नोट लाना बताया। रिमांड में लेकर उससे पूछताछ की गई तो उसने जाली नोट बनाने के छापाखाना का पता उगल दिया। आरोपित की निशानदेही पर मंगलवार को इस छापाखाने की जांच गई। मौके से जाली नोट छापने के आरोपित रितुराज विश्वकर्मा (35) को गिरफ्तार किया गया है।गोटेगांव का रहने वाला है आरोपी

जाली नोट छापने का आरोपित रितुराज विश्वकर्मा मूलतः नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव के पास ग्राम इमलिया का निवासी है। जाली नोट खपाते हुए पकड़े गए रवि ने पूछताछ में उससे कम मूल्य पर पांच सौ रुपये के जाली नोट लेना स्वीकार किया है। रवि के पास पुलिस को एक बैग में पांच सौ रुपये के नोट के कुल छह बंडल मिले थे। जिसमें कुल 588 नोट थे। इनमें कुछ नोट एक ही सिरीज एवं नंबर के थे। जब्त किए गए नोटों के बीच महात्मा गांधी के चित्र का वाटर मार्क का चिह्न नही था। आरोपित जाली नोट को कम मूल्य पर दूसरों को देकर उन्हें बाजार में खपाने के इरादे से घूम रहा था।

प्रिंटर मिला, जाली नोट भी जब्त

आरोपित रितुराज शातिर है। उसने यशवंतर नगर में किराए पर कमरा लिया था। पुलिस की नजर से बचकर किराए के कमरे में जाली नोट प्रिंट करता था। हनुमानताल थाना प्रभारी धीरज राज की टीम को मौके पर प्रिंटर, लैपटाप, कुछ रंग, कागज सहित जाली नोट छापने के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री मिली है। कमरे में छापकर रखे गए पांच सौ रुपये के कुछ जाली नोट भी मिले है। इन जाली नोट और उसे तैयार करने की सामग्री को पुलिस ने जब्त किया है।इसके साथ ही किराए के कमरे को सील कर दिया गया है। आरोपित यह सब कुछ इतना गुपचुप तरीके से कर रहा था कि आसपास के लोगों को भी कभी उसकी गतिविधि पर संदेह नहीं हुआ।

पुलिस को आरंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित रितुराज लगभग छह-सात माह से जाली नोट छाप रहा था। वह ऐसे लोगों को खोजता था तो कि जरूरतमंद हों और उसके छापे हुए जाली नोट को आसानी से बाजार में खपा सकें। इसके लिए वह कम पढ़ें-लिखे लोगों को शामिल करता था। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उनके गिरोह से और कौन जुड़ा हुआ था। इससे पहले उसने जाली नोट और कहां खपाएं हैं, उसके संबंध में भी जांच की जा रही है। इंटरनेट से जुटाई जानकारी

आरोपी ऋतुराज अधारताल में किराए के मकान में पत्नी और एक पुत्र के साथ रह रहा था। आरोपित बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और बैंकिंग प्रबंधन से संबंधित पढ़ाई किया है। ज्यादा पैसा कमाने के लिए उसने जाली नोट बनाकर उसे खपाने का सोचा। ह पत्नी और बेटे के रात में सो जाने के बाद अलग कमरे में जाली नोट बनाने का काम करता था। जाली नोट बनाने से पहले उसने इंटरनेट पर डिजाइन, रंग सहित नोट के संबंध में कई जानकारियां सर्च किया। उसके बाद नोट छापना शुरू किया। आरोपित रवि दहिया से उसकी पहचान चाय के ठेले पर हुई थी। जहां उसने उसे 25000 के बदले लाखों रुपये के 500 के जाली नोट दे दिए।

इंदौर में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के फ्लाई ओवर निर्माण हेतु फ्लाई एश आपूर्ति सुनिश्चित

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की पहल पर वरिष्ठ स्तरीय बैठक में निर्णय

इंदौर। इंदौर में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, विशेष रूप से फ्लायओवरों के कार्य में आ रही Fly Ash आपूर्ति की समस्या को गंभीरता से लेते हुए आज जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की।

इस बैठक में श्री सिलावट द्वारा इंदौर क्षेत्र के निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों—जैसे तेजाजीनगर से बलवाड़ा, इन्दौर से हरदा और इन्दौरङ्कदेवास बायपास पर बन रहे अर्जुन बरोदा, झलारिया, एम आर टेन जक्शन, रालामंडल आदि फ्लायओवर में स्नद्य4, ह्यद्ध की अचानक आपूर्ति बंद किए जाने से उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। यह समस्या श्री सिंघाजी थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट मूंदी द्वारा आपूर्ति रोके जाने के कारण उत्पन्न हुई थी, जिससे निर्माण कार्य बाधित हो रहे थे और भारी परिवहन व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा था।

श्री सिलावट के अनुरोध पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने तत्परता दिखाते हुए Fly Ash की आपूर्ति फिर से प्रारंभ करने के स्पष्ट निर्देश दिए और यह आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य में अब किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में ऐसी आपूर्ति सतत बनी रहे, इसके लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

इस विषय में जल संसाधन मंत्री द्वारा लिखित पत्र भी ऊर्जा विभाग को प्रेषित किया गया था, जिसमें स्थानीय परियोजनाओं की संवेदनशीलता और समयबद्धता का विशेष उल्लेख किया गया था। इस संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने भी वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर Fly Ash की आपूर्ति सतत जारी रखने हेतु अनुरोध किया गया था।

इस निर्णय से इंदौर में चल रहे प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को गति मिलेगी और समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने में सहायता मिलेगी। बैठक में ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मण्डलोई, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी श्री एस. के. सिंह एवं परियोजना निदेशक पीआईयू-इंदौर श्री सुमेश बंसल एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अतुल्य मध्यप्रदेश बना पर्यटकों की पहली पसंद

इंदौर। पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। इसकी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संपदा का आकर्षण ÷अतुलनीय मध्यप्रदेश÷ के रूप में पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। प्रदेश ने वर्ष 2024 में पर्यटन के क्षेत्र में कीर्तिमान रचा है। मध्यप्रदेश में रिकॉर्ड 13 करोड़ 41 लाख पर्यटकों का आगमन हुआ। यह उपलब्धि वर्ष 2023 की तुलना में 19.6 प्रतिशत, 2019 से लगभग 50.6 प्रतिशत और 2020 की तुलना में 526 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक धरोहरें और वन्यजीव विविधता, पर्यटकों को एक सम्पूर्ण अनुभव प्रदान करती हैं। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख पर्यटकों का आगमन इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश देश ही नहीं, वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भी मजबूती से उभर रहा है। यह उपलब्धि शासन की दूरदर्शी नीतियों, आधारभूत ढांचे के विकास और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी का प्रतिफल है।

विदेशी पर्यटकों का आगमन-वर्ष 2024 में 1.67 लाख विदेशी पर्यटकों ने भी मध्यप्रदेश की सैर की। खजुराहो में 33 हजार 131, ग्वालियर में 10 हजार 823 और ओरछा में 13 हजार 960 विदेशी पर्यटक पहुंचे। शहरी पर्यटन में भी विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसमें इंदौर में 9,964 और भोपाल में 1,522 विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

इंदौर जिले के रिक्त दो पार्षद पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया हुई शुरु

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इंदौर जिले के दो नगरीय निकायों सहित प्रदेश के कुल 9 नगरीय निकायों में रिक्त एक-एक पार्षद पद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 23 जून है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन कर दिया गया है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 16 जून से शुरू हो चुका है। नाम निर्देशन पत्र 23 जून, 2025 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है। इसी दिन अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। मतदान 7 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी। इंदौर जिले में नगर परिषद सांवेर के वार्ड क्रमांक 7 और गौतमपुरा के वार्ड क्रमांक 15 में उप निर्वाचन होना है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगर परिषद सांवेर के वार्ड क्रमांक 7 में 1386 तथा गौतमपुरा के वार्ड क्रमांक 15 में 758 मतदाता है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने इंदौर के सेठी नगर आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया

इंदौर। भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने आज आउटरीच और फील्ड निरीक्षण कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश के इंदौर के सेठी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया। श्रीमती सावित्री ठाकुर के साथ राष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन और आईसीडीएस के हितधारक भी थे।

श्रीमती सावित्री ठाकुर ने आंगनवाड़ी केन्द्रों पर दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की तथा महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी क्रियाकलापों के जमीनी स्तर पर प्रभाव को समझने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, लाभार्थियों और समुदाय के साथ बातचीत की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे आंगनवाड़ी के बुनियादी ढांचे में परिवर्तन, डिजिटल उपकरणों (पोषण ट्रैकर) की शुरूआत और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण ने आंगनवाड़ियों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में अधिक उत्तरदायी और कुशल बना दिया है। श्रीमती सावित्री ठाकुर ने इस बात पर जोर दिया कि आंगनवाड़ी केंद्र न केवल पोषण केंद्र हैं, बल्कि पोषण 2.0 ढांचे के तहत सक्षम आंगनवाड़ी के विजन के अनुरूप, प्रारंभिक बचपन की देखभाल और विकास के जीवंत, आधुनिक केंद्र भी साबित हो रहे हैं।

सर्प-दंश से बचाव के लिए जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

अस्पतालों में एंटी-वेनम व उपचार की समुचित व्यवस्था और हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश

इंदौर। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग ने वर्षाकाल के दृष्टिगत सर्पदंश की घटनाओं के नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन के लिए सभी जिलों के कलेक्टर को आवश्यक तैयारी एवं जन जागरूकता सुनिश्चित करने के लिये निर्देश जारी किये हैं। सर्प-दंश स्थानीय आपदा घोषित है, इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए हर ज़िले के लिए 23.17 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि का उपयोग प्रशिक्षण, जन-जागरूकता, मॉक ड्रिल, उपकरण की व्यवस्था और प्रचार-प्रसार जैसे कार्यों में किया जाएगा।

वर्षाकाल में सर्पदंश की संवेदनशीलता- वर्षा ऋतु में सांपों के प्राकृतिक आवासों में जलभराव हो जाने से वे मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं, जिससे सर्प-दंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों, नदी किनारे एवं बस्तियों की परिधियों में यह खतरा अधिक होता है। उक्त के प्रति लोगों में जागरूकता लाना, तथा प्रशासनिक सतर्कता बढ़ाना अति आवश्यक है।

सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित करें। स्कूलों, आंगनबाड़ियों और सामुदायिक स्थलों पर जागरूकता सत्र आयोजित हों। सोशल मीडिया, रेडियो, दीवार लेखन, बैनर-पोस्टर एवं लोक-प्रदर्शन (नुक्कड़ नाटक आदि) के माध्यम से सूचना का व्यापक प्रसार किया जाए। निर्देशों में कहा गया है कि सर्पदंश के प्रति संवेदनशील इलाकों में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर 'सर्प मित्र', सिविल डिफेंस वालंटियर्स एवं स्नेक-कैचर्स की टीम बनाई जाए।

कृषि विकास मंत्रालय नईदिल्ली के अधिकारी देपालपुर पहुंचे

इंदौर। इंदौर जिले के विकासखंड देपालपुर में प्रगतिशील किसानों से चर्चा करने के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त संचालक डॉ. श्री विक्रांत सिंह किसानों के बीच पहुंचे। उन्होंने विकासखंड देपालपुर की ग्राम पंचायत मांचल व शाहपुरा में जाकर किसानों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए गेहूं की ड्यूरम, एस्टीवम जैसी किस्मोंा के अधिक उत्पादन देने वाली वैरायटियों, बीज दर प्रति बीघा, संतुलित उर्वरक, नवीन प्रणाली से फ़सल को बोने, आत्म निर्भर भारत अभियान अन्तर्गत कृषकों द्वारा निर्मित उत्पाद व गेहूं उत्पादन का बाजार मूल्या, साथ ही किसानों द्वारा अधिक उत्पादन लेने हेतु किए जा रहे नवाचार पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी इंदौर श्री एस के एस्के, सहायक संचालक कृषि श्री डी.एस.वर्मा, वरिष्ठ कृषि अधिकारी विकासखंड देपालपुर श्री जितेंद्र चारेल, कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमति एकता व्यालसा एवं दिव्यांशी एवं क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक श्री लाखन सिंह गहलोद, श्री गजानंद खादीवाला, श्री सालिगराम जी, श्री जगदीश, श्री हुक्कुम आदि कृषक से चर्चा की गई। इस दौरान दोनों पंचायतों के किसान उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की उपस्थिति में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

इंदौर। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशॉलय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी।

सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे। इस अवसर पर संपूर्ण प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

राष्ट्रीय पक्षी मोर को मयूर वन में बसाने के नहीं हो रहे प्रयास

गर्मी में दाना-पानी की व्यवस्था के लिए भी वन विभाग के पास अलग से बजट और आंकड़ा भी नहीं - लगातार घट रही संख्या

उज्जैन। राष्ट्रीय पक्षी मोर कोठी तथा विश्व विद्यालय परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। वहीं ग्राम मंगरोला फिलहाल उज्जैन में मोरों का गढ़ है। गर्मी के दिनों में इनके दाना-पानी की आपूर्ति भगवान भरोसे हो रही है, क्योंकि वन विभाग के पास इसकी व्यवस्था के लिए बजट नहीं है। वहीं मोरों के संरक्षण के लिए लाखों खर्च कर बनाया गया मयूर वन भी उनके काम नहीं आ रहा।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन शहर में कोठी पैलेस तथा विश्वविद्यालय परिसर में अभी बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पक्षी मोर नजर आते हैं। इसके अलावा 6 साल पहले तक हीरामिल और विनोद मिल परिसर में भी सैकड़ों की संख्या में मोर रहते थे। परंतु यहां स्मार्ट सडक़ बनने के बाद इनके आशियाने उजड़ गए थे। इसके बाद से इस क्षेत्र से मोरों की प्रजाति विलुप्त हो गई है। वहीं उज्जैन के मंगरोला गांव में आज भी बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पक्षी मोर बसे हुए है। गाँव में 600 के लगभग मोर रहते है। शर्मीले और डरपोक स्वभाव वाले मोर अब मंगरोला गाँव का हिस्सा बन चुके है। जिस तरह घर में पालतू जानवर श्वान या बिल्ली नजर आती है उसी तरह अब गाँव के कई घर और छतो पर मोर नजर आते हैं। इनके संरक्षण के लिए गाँव के ही कुछ युवाओ ने मोर सरंक्षण केंद्र बनाया है, जिसमें मोरो के लिए उपचार और रहने के लिए जगह बनाई है। इसके साथ ही रोज दाना पानी की भी व्यवस्था की गई है। जबकि कोठी तथा विश्वविद्यालय परिसर और अन्य स्थानों पर पाए जाने वाले मोर की देखरेख और विशेषकर गर्मी में दाना-पानी की व्यवस्था के लिए वन विभाग द्वारा कोई इंतजाम नहीं किए जाते। वन विभाग से जुड़े अधिकारी सूत्रों का कहना है कि विभाग के पास मोर के संरक्षण और उनके दाना-पानी की व्यवस्था के लिए अलग से कोई बजट नहीं है। इधर शहरी क्षेत्र में दाना पानी की तलाश में आए मोर कई बार करंट का शिकार हो जाते हैं। जिससे उनकी जान चली जाती है। इस प्रकार से मोरों को कुत्तों व करंट से बचाने के लिए प्रयास किए जाना जरूरी है।

बस नाम का रह गया मयूर वन

मयूर वन प्रोजेक्ट के तहत 1 करोड़ की अधिक की लागत से साल 2018 से इसके निर्माण का काम शुरु किया गया था। योजना के मुताबिक पार्क को मोर के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना तथा उसका संवर्धन करना था। इसके अलावा यहां मनोरंजन के लिए भूल भूलैया भी बनाई गई है।

तपिश ने दर्शकों को झकझोरा - पर्यावरण संकट पर करारा सांस्कृतिक प्रहार

उज्जैन। पर्यावरणीय असंतुलन और मानव स्वार्थ की टकराहट पर गहराई से चोट करता नाटक तपिश निनाद रंग महोत्सव की पहली संध्या पर दर्शकों की भावनाओं को झकझोरने में पूरी तरह सफल रहा। यह प्रस्तुति न केवल एक कलात्मक अनुभव थी, बल्कि सामाजिक चेतना का एक शक्तिशाली मंच भी बनी।

डॉ. राजीव शुक्ल द्वारा लिखित इस नाटक में मुख्य पात्र राजेंद्र सूरी, एक वैज्ञानिक, अपने व्यावसायिक लाभ के लिए खतरनाक रासायनिक परीक्षण करता है जिससे डिफेंस पार्क पूरी तरह नष्ट हो जाता है। इसके दुष्परिणाम उसकी मासूम बेटी रूपाली को झेलने पड़ते हैं–वह मानसिक आघात से अपनी आवाज़ खो बैठती है। अंततः जब सूरी को अपनी गलती का भयानक एहसास होता है, तो वह पश्चाताप करता है और आत्मा की गहराइयों से क्षमा माँगता है।

सबसे मार्मिक दृश्य तब आता है जब बगीचे का माली–प्रकृति का प्रतीक–सूरी को आईना दिखाता है। उसकी बातें सुनकर रूपाली की आवाज़ लौट आती है, मानो प्रकृति ने क्षमा दे दी हो। यह दृश्य पूरे सभागार में सन्नाटा और फिर तालियों की गड़गड़ाहट ले आता है।

मुख्य भूमिकाओं में शुभम शर्मा, अंकित जोशी, रघु माथारिया, भूषण जैन, मंदाकिनी शर्मा और हेमाक्षी व्यास ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों में प्राण फूंक दिए। सहयोगी कलाकारों–लखन, सलीम अहमद, कविता सिसोदिया, निमिष व्यास और ईशान व्यास–ने प्रस्तुति को संपूर्णता दी।

सैयदना साहब ने शेख की पदवी से नवाजा

उज्जैन। दाऊदी बोहरा समाज के 53वे धर्मगुरु डॉ सैयदना अलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन (त.उ.श) साहब ने मुंबई में उज्जैन शहर के सैफी मोहल्ला के समाजसेवी शेख सादिक़ भाई अक्कड़ वाला को 65 साल की उम्र में शेख के रुतबे से नवाजा। खुज़ेमा चांदा भाई वाला ने जानकारी देते हुए बताया कि शेख सादिक़ भाई अक्कड़ वाला समाज की कई संस्थानों से जुड़े हुए हैं और अपनी सेवा आज भी दे रहे हैं।इस मौके पर दाऊदी बोहरा समाज के वरिष्ठ समाजजन एवम समाजसेवियों ने शेख सादिक़ भाई को मुबारकबाद पेश की।

तिरंगा फहराते हुए 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा पर रवाना हुए 75 यात्री

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जून माह में लेह लद्दाख में आयोजित होने वाले सिंधु उत्सव के अंतर्गत 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा पर उज्जैन से 75 से अधिक यात्री हाथों में तिरंगा फहराते हुए रवाना हुए।

सिंधु दर्शन यात्रा समिति मालवा प्रांत की उषा कुंवर पंवार ने बताया कि सिंधु दर्शन यात्रा का आयोजन निरंतर 29 वर्षों से किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 17 एवं 18 जून को 75 से अधिक यात्री यात्रा पर रवाना हुए। इन यात्रियों का रेलवे स्टेशन पर ढोल नगाड़ों के साथ पुष्पवर्षा कर केसरिया दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। समिति के प्रकाश चित्तौड़ा, पुनीत सांखला, टीसी शक्यवाल, राजेंद्र शर्मा अध्यक्ष मालवा प्रांत, बीएस ठाकुर उपाध्यक्ष, वीरेंद्र राजपूत, अनिल शर्मा कोषाध्यक्ष, खेमजी चंदन, देवेंद्र पाठक आदि ने अभिनंदन किया।

कांग्रेस के संगठन सृजन की सफलता के बाद भाजपा का राजनीतिक विसर्जन तय- नदीम जावेद

कांग्रेस, भाजपा में मात्र 8 प्रतिशत का ही अंतर, लोग भाजपा को नकारने को तैयार

उज्जैन। मध्यप्रदेश कांग्रेस के लिए बहुत संभावनाओं वाला राज्य है। कांग्रेस के पास नेतृत्व और मतदाता दोनों हैं। कांग्रेस और भाजपा में मात्र 8 प्रतिशत का ही अंतर है, भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा उजागर हो चुका है। यही कारण है कि साम, दाम, दंड भेद की राजनीति को लोग अब नकारने को तैयार हैं।

यह बात संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस के पर्यवेक्षक नदीम जावेद ने कही। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल पटेल ने बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु अखिल भारतीय कांग्रेस के पर्यवेक्षक नदीम जावेद ने चतुर्थ दिवस शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नागदा में कार्यकर्ताओं, नेताओं से संवाद किया।

इस दौरान संबोधित करते हुए नदीम जावेद ने कहा कि संगठन सृजन की सफलता के बाद भाजपा का राजनीतिक विसर्जन तय है। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस अभियान में पूरी तरह सहयोग कर रहा है। इस दौरान पूर्व विधायक दिलीप गुर्जर, धारा सिंह, अनोखी सोलंकी, राधे जायसवाल, राधिका भीमराज, गोविंद भरावा, पृथ्वीराज पंवार सहित बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने मनाया झांसी की रानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस

उज्जैन। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने हरी फाटक ओवर ब्रिज, इंदौर रोड स्थित रोटरी पर विराजित झांसी की रानी लक्ष्मी बाई ब्राह्मण वीरांगना की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए, उनके द्वारा दिए बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

अध्यक्ष अर्पित पुजारी ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि उज्जैन नगर निगम सभापति कलावती यादव, विशेष अतिथि भाजपा नगर उपाध्यक्ष जगदीश पांचाल रहे। सभी ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन और बलिदान को याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अ.भा. युवा ब्राह्मण समाज संस्थापक महेश पुजारी, वरिष्ठ समाजसेवी भगवान शर्मा, विजय पुजारी, रूपेश मेहता, राकेश जोशी (रांका गुरू), महेंद्र सिंह बैंस, आशीष अग्निहोत्री, गोपाल अग्रवाल, विजय चौधरी, सुरेश शर्मा, राजू बैरागी, जितेंद्र अग्निहोत्री, मुकेश खंडेलवाल, गोविंद व्यास, अरविंद उपाध्याय, मंगल पुजारी, राम शर्मा, आशीष ठक्कर, किशन पाण्डेय, मनोहर राठौर, जगदीश सोनी, राहुल व्यास, शैलेन्द्र नागर, हिमांशू नारायण, चंद्रशेखर, रमेश वाधवानी, अलका शर्मा, कृष्णा शर्मा, किशोर सिंह कुशवाह आदि उपस्थित थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com